बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग – 3

बुधवार, तिथि — 09 फाल्गुन, 1939 (श.) / 28 फरवरी, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 09

1.	नगर विकास एवं आवास विभाग	-	-	05
2.	मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग	-	-	01
3.	सहकारिता विभाग	-	-	01
4.	राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग	-	-	01
5.	सामान्य प्रशासन विभाग	-	-	01
			कुल योग –	09

बजट राशि के आधार पर कार्य नहीं

11. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि विगत 18 मार्च, 2017 को वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए पटना नगर निगम ने 608 करोड़ का बजट पेश किया था, जिसमें सबसे अधिक खर्च नागरिक सुविधाओं और पटना को साफ-सुथरा और हरित बनाने का लक्ष्य रखा गया तथा इसी क्रम में शहर में पार्कों और खेल सुविधाओं के विकास पर 13.50 करोड़, स्वच्छता कार्यक्रमों पर पांच करोड़ और आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए 50 लाख और कुत्ता काटने की दवा पर पांच करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय लिया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि बजट का प्रावधान होने के बावजूद भी 10 माह में न तो कुत्ता नियंत्रण के लिए कोई प्रयास किया गया और न ही कुत्ता काटने की दवा खरीद पर एक रुपये का खर्च किया गया, साथ ही पार्क एवं खेल मैदान के विकास पर भी निगम की कोई रुचि नहीं दिखाई दी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी कि निगम ने बजट राशि के आधार पर क्यों कार्यों में रुचि नहीं ली, इसके लिए कौन दोषी है और उनपर कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है?

गृह ऋण की सुविधा

12. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि विधान मंडल के माननीय सदस्यों को गृह ऋण की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जबकि मोटरयान ऋण की सुविधा देय है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार गृह ऋण की सुविधा विधान मंडल के सदस्यों को देना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

गबन करने वाले पर कार्रवाई

13. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, सहकारिता विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत धान अधिप्राप्ति के लिए प्राप्त जिला कोऑपरेटिव बैंक की आठ विभिन्न शाखाओं के 28 डिफाल्टर पैक्सों पर वित्तीय वर्ष 2012-13

से 2015-16 तक बैंक का कैश क्रेडिट लोन मद में 2 करोड़ 80 लाख 40 हजार रुपया बकाया है;

(ख) क्या यह सही है कि मोतिहारी सुगौली छौड़ादानो, पकड़ीदयाल, पताही, चकिया, रक्सौल एवं ढाका कोऑपरेटिव बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं पैक्स अध्यक्षों से मिलीभगत कर नीलाम पत्र वाद दायर के बावजूद लगभग 3 करोड़ रु. की राशि का गबन किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त वित्तीय वर्ष में 8 कोऑपरेटिव शाखाओं के प्रबंधकों तथा पैक्स अध्यक्षों पर 3 करोड़ रु. की राशि गबन करने पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई

14. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना स्थित मौर्या लोक शॉपिंग कॉम्पलेक्स के सौन्दर्यीकरण हेतु वर्ष 2016 में 3.96 रुपये की राशि खर्च की गई;

(ख) क्या यह सही है कि इस योजना में प्राक्कलन के अनुरूप कार्य नहीं कर राशि का बन्दरबांट कर लिया गया, जिसकी जांच बुडको की टीम द्वारा करके जांच रिपोर्ट विभाग को सौंप दी गई है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर किसी भी दोषी व्यक्ति के खिलाफ अभी तक विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बुडको की जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी

15. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया के अंचल अधिकारी, नगर प्रखंड, गया द्वारा संबंधित अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध अतिक्रमण वाद संख्या-18/16-2017 दर्ज किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि वाद की सुनवाई की गई किन्तु आज तक अतिक्रमण हटाने के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है;

(ग) क्या यह सही है कि स्थानीय दबंग उक्त लोक भूमि पर मंदिर की आड़ में व्यावसायिक प्रतिष्ठान और मकान का निर्माण कर किराया वसूल रहे हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' में वर्णित लोक भूमि को अतिक्रमणकारियों से कबतक मुक्त कराना चाहती है और अतिक्रमण करने वाले दोषी व्यकितयों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करना चाहती है?

अतिक्रमण से मुक्त

16. **श्री मो. गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत पीरो नगर पंचायत के वार्ड नं.-15 में शमशीर नेता के घर से मो. गयासुद्दीन के घर तक तथा वार्ड नं.-16 में इसराफिल ड्राईवर के घर से भुअर खान के घर तक नक्शा के अनुसार 16-17 फीट चौड़ी गली है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्तमान में अतिक्रमण होने के कारण उपरोक्त गलियों की चौड़ाई मात्र 8-9 फीट ही रह गई है, जिसके कारण लोगों को आने-जाने में भारी कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपरोक्त गलियों को अतिक्रमण मुक्त कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

रिजल्ट के लिए समय सुनिश्चित

17. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार लोक सेवा आयोग ने विगत तीन वर्षों से परीक्षाओं का एक भी रिजल्ट नहीं दिया है;

(ख) क्या यह सही है कि आयोग के काम-काज की शैली से हजारों छात्रों का कैरियर प्रभावित हो रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि परीक्षा कैलेंडर नहीं होने के कारण बी.पी.एस.सी. की किसी परीक्षा या रिजल्ट की कोई तिथि तय नहीं होती;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार परीक्षा कैलेन्डर बनाने के साथ रिजल्ट के लिए एक निश्चित समय-सीमा बताना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सड़क का निर्माण

18. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के दानापुर नगर परिषद् के वार्ड नं.-12 में सगुना मोड़ हाईटेक अस्पताल के पीछे वाली सड़क जो सगुना मोड़ से मठियापुर तक जाती है, जर्जर अवस्था में है;

(ख) क्या यह सही है कि इस जर्जर सड़क पर आवागमन में महिलाओं, वृद्धों एवं खासकर बच्चों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस सड़क का निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सड़क एवं नाला का निर्माण

19. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मुजफ्फरपुर शहर के राधिकापुरी कलमबाग रोड के मेन रोड स्थित राय नर्सिंग होम से उपेन्द्र प्रसाद सिंह के मकान तक सड़क एवं नाला का निर्माण कार्य विगत एक वर्ष पूर्व ही आरम्भ किया गया था और अबतक कार्य पूरा नहीं किया जा सका है, सड़क को गड्ढे में तब्दील कर दिया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त सड़क एवं नाला का निर्माण कार्य कबतक पूरा कराने का विचार रखती है?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 28 फरवरी, 2018